भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1286

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 28 जुलाई, 2025

06 श्रावण, 1947 (शक)

लद्दाख में सांस्कृतिक और विरासत स्थलों का संवर्धन

1286. श्री मोहम्मद हनीफ़ा:

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार लद्दाख में प्रमुख सांस्कृतिक और विरासत स्थलों, जिनमें प्राचीन मठ और शैलचित्र शामिल हैं, को केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत संरक्षण हेतु चिन्हित किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हेमिस, दिस्कित या लामायुरू मठों जैसे स्थलों के संरक्षण या पर्यटन से जुड़े विकास के लिए "एक विरासत अपनाएँ" या "तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान" (प्रसाद) योजनाओं के अंतर्गत धनराशि आवंटित की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और लद्दाखी भाषा और लोक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय हितधारकों और बौद्ध संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार की लद्दाख की अनूठी ट्रांस-हिमालयी विरासत को प्रदर्शित करने के लिए लेह या कारगिल में एक क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र या संग्रहालय स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में 15 संरक्षित स्मारक हैं जिनका भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा नियमित रूप से संरक्षण और अनुरक्षण किया जाता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारी इन स्मारकों के संरक्षण, अनुरक्षण और आवश्यक मरम्मत कार्यों की स्थिति की निगरानी के लिए समय-समय पर इनका निरीक्षण करते हैं। ये प्रयास संघ राज्य क्षेत्र के भीतर इन धरोहर संरचनाओं के उचित अनुरक्षण और संरक्षण को सुनिश्चित करते हैं।

(ग): लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी संरक्षित स्मारक को " एडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0 " कार्यक्रम के अंतर्गत नहीं अपनाया गया है।

पर्यटन मंत्रालय की " प्रसाद योजना " के अंतर्गत, लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र में कोई भी परियोजना स्वीकृत नहीं है।

(घ): संस्कृति मंत्रालय का एक स्वायत्त संस्थान जिसका नाम केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (मानद विश्वविद्यालय) है, जो लेह, लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र से संचालित होता है। केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान अन्य गतिविधियों के अलावा, लद्दाखी

भाषा और लद्दाख की लोक परंपरा के प्रचार-प्रसार में भी सहायता करता है। यह भोटी भाषा और साहित्य में प्रमाणपत्र और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी चलाता है।

संस्कृति मंत्रालय का एक स्वायत्त संस्थान, साहित्य अकादमी, गैर-मान्यता प्राप्त और जनजातीय भाषाओं के अलावा अपने द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में भारतीय साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यरत है। साहित्य अकादमी ने वर्ष 1998 और वर्ष 2015 में लद्दाखी भाषा में भाषा सम्मान प्रदान किया था।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (अब ज्ञान भारतम मिशन) के अंतर्गत, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह वर्ष 2003 से पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण और संरक्षण कार्य कर रहा है।

सरकार ने लेह, लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की पारंपरिक लोक कलाओं और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के उद्देश्य से पटियाला, उदयपुर, इलाहाबाद, कोलकाता, दीमापुर, नागपुर और तंजावुर में अवस्थित मुख्यालय वाले सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए हैं।

(ड.): लेह अथवा कारगिल में क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र अथवा संग्रहालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****